कसीदाकारी कलस्टर, पूगल, आडूरी

प्रगति रिपोर्ट

संस्था परिचयः

शांति मैत्री मिशन संस्थान की स्थापना वर्ष 1990 में श्री मोहन मित्र मनीषी द्वारा की गई। एवं पूर्ण सक्रियता से क्षेत्र में कार्य वर्ष 1996 में आरम्भ हुआ। श्री संजय घोष उरमूल ट्रस्ट की प्रेरणा व सानिध्य में मरूस्थल क्षेत्र में कार्यानुभव लेते हुए कार्य प्रारम्भ किया। प्रारम्भ से ही संस्थान बीकानेर के दूरस्थ मरूस्थलीय ग्रामीण क्षेत्रों में जन विकास हेतु कार्यबद्ध रहा है। गरीब ग्रामीण समुदाय की सामाजिक आर्थिक स्थितियों में दीर्घकालीन सुधार हेतु संस्था ने विविध शैक्षणिक, कृषि सुधार व भौतिक विकास कार्यक्रम लागू किये हैं। संस्थान सघन रूप से बीकानेर ब्लॉक की पूगल तहसील में कार्यरत है। शांति मैत्री मिशन के कार्य क्षेत्र में अनेको निहित विशेष चुनौतियां है। भारत पाक सीमा पर स्थित यह क्षेत्र पूरी तरह से मरूस्थलीय है। चारों ओर रेतीले टिब्बें है तथा आवागमन के साधन कम व क्षेत्र बेहद जटिल है। इस न्यून वर्षा वाले मरूक्षेत्र में कृषि व पशुपालन पर अकाल की प्रायकर मार रहती है। इन्दिरा गांधी नहर परियोजना के आगमन फलस्वरूप पूगल की कुछ पंचायतों में पानी की उपलब्धता तो बढी है किन्तु पर्याप्त सिंचाई आवक नहीं बन सकी है एवं सिंचाई के लिए निर्मित खालों में रेत के भराव जैसी विकट समस्या से काश्तकारों को सामना करना पड़ा है। सामाजिक दृष्टि से यह क्षेत्र विविधता वाला है। मूल निवासियों में पशुपालक मुस्लिम समुदाय की संख्या अधिक है। साथ ही पाक विस्थापित परिवार भी गत दो तीन दशक से यहां आकर बसे हैं। जिन्हें पारम्परिक कसीदे की जानकारी है लेकिन वर्तमान में बाजार की नई तकनीकी की जानकारी नहीं है। नहर आने की वजह से विभिन्न जिले के लोगों को भूमि आंवटन हुई। परिणाम स्वरूप गावों में विभिन्न क्षेत्रों व जातियों के विषम वर्गो के लोग यहां निवास करते है। जिनके आपसी रीति–रिवाजों एवं मान्यताओं में काफी भिन्नताएं होने के उपरान्त भी समुदाय में सामाजिक बन्धुता व भाई चारा है।

संस्थागत दृष्टि :

- स्वशासित समाज की संरचना

संस्था का ध्येय :

- पश्चिमी राजस्थान में पंचायतों की सक्रिय भागीदारी से स्वशासन की प्रक्रिया को सुदृढ़ करना ।

संस्था के मुख्य उद्देश्य :

- ❖ क्षेत्र में स्वशासन की प्रक्रिया को सुदृढ़ एवं सक्षम करना और उनमें समाज के कमजोर, पिछड़े और दलित वर्गो की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चत करना।
- ❖ क्षेत्रीय विकास के लिए प्राकृतिक, सामाजिक एवं आर्थिक मुद्दों पर समुदाय से साथ मिलकर समझ बनाना तथा सामुदायिक पहल को बढ़ावा देना।
- ❖ समाज में जागरूक एवं सक्षम नेतृत्व का विकास कर पंचायत एवं स्थानीय संगठनों की कार्य प्रणाली को प्रभावी जबाबदेही व पारदर्शी बनाने के प्रयास करना।

कार्य रणनीतिः

स्वशासित संस्थाओं को संगठित करके उनकी भूमिकाओं से अवगत करवाना तथा समय–समय पर शैक्षणिक सहयोग देकर क्षेत्र के गरीब, दलित लोगों की आजीविका सुदृढ़ में सहयोग करना।

कार्यक्रम के उद्देश्यः

पूगल क्षेत्र में आर्थिक व सामाजिक दृष्टि से कमजोर वर्ग खासकर पाक–विस्थापित महिलाओं की स्किल, नैतृत्व का विकास करके उनको बाजार व्यवस्था से जोड़कर उनकी आजीविका को सुदृढ़ करना।

लक्ष्य वर्गः

1971 में आये पाक विस्थापित परिवार व क्षेत्र में निवास कर रहे गरीब, निम्न वर्ग की महिलाएं जिनके पास कसीदे की पारम्परिक कलाएं है। उन्हें समय–समय पर प्रशिक्षण देकर बाजार की मांग के अनुसार उत्पादन तैयार करने हेतु प्रशिक्षित करना।

रणनीतिः

लक्ष्य वर्ग की महिलाओं के साथ समय–समय पर मोटीवेशन, फॉलोअप, सेमीनार का आयोजन करके पुख्ता समझ विकसित करके संगठित करना। संगठन की समय–समय पर बैठके, नियमित संवाद स्थापित करना। जिससे भविष्य में यह महिला पूरे क्षेत्र व राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर फेडरेशन के माध्यम से कार्य कर सकें।

कार्यक्रम से पूर्व की स्थितिः

पूगल पाक–सीमावर्ती क्षेत्र है। यहां के लोगों का मुख्य धन्धा खेती व पशु पालन पर निर्भर है क्षेत्र में इन्दिरा गॉधी नहर परियोजना के आगमन से क्षेत्र के

कुछ गॉवों में पानी की उपलब्धता तो बढ़ी है परन्तु नहर आने के साथ–साथ यहां पर पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान के चुरू, नागौर, जोधपुर व सीकर के लोगों का आगमन हुआ। 1971 में भारत–पाक युद्ध के दौरान पाक विस्थापित परिवार भारत आये केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा इन परिवारों को शरण देने के लिए 9 वर्ष तक शिविरों में रखा गया तथा सरकार द्वारा निःशुल्क सेवाएं प्रदान की गई। सरकार द्वारा इन परिवारों को आबाद करने के लिए ठोस रणनीति बनाई गई तथा परिवार के मुख्याओं को एक–एक मुरब्बा भूमि भी अलॉट की गई। यह भूमि पूगल क्षेत्र में ऑलाट हुई। 1986 में यह परिवार पूगल में आये। परिवार के विभाजन के साथ–साथ भूमि का भी विभाजन हुआ। साथ ही क्षेत्र में बहुत संख्या में पाक–विस्थापित परिवारों के पास कृषि योग्य भूमि नहीं है। लोग भूमिहीन है। पाक विस्थापित परिवार के पास अपनी आजीविका सुदृढ़ करने के लिए ऐसा कोई ठोस व्यवसाय नहीं है। फिर भी यहां के लोग अपना पेट पालने के लिए गुजरात, काडला व जोधपुर में मजदूरी करते है। इन परिवारों की महिलाओं के पास पारम्परिक कसीदाकारी की जानकारी है लेकिन यह जानकारी आधी–अधूरी थी। लोगों की आर्थिक स्थिति और भी अधिक कमजोर बनी हुई थी। क्षेत्र में बाड़मेर व जैसलमेर क्षेत्र के अनेक ठेकेदारों द्वारा महिलाओं से कसीदा का कार्य करवाया जाता था। ठेकेदार द्धारा माल व डिजाइन देकर वापिस चले जाते। जो कि महिलाएं 5–7 दिन में कसीदा पूर्ण कर देती थी। ठेकेदार वपिस एक–एक महिन तक नहीं आते घर में महिलाएं 20–25 दिन खाली बैठी रहती काम पर्याप्त नहीं था। एक माह के पश्चात ठेकेदार आकर अपना माल ले जाते तथा भुगतान माल बिकने के बाद करने का कहा जाता। ठेकेदारो द्वारा महिलाओं का समय–समय पर पूरा भुगतान नहीं होता ऊपर से ठेकेदारो का दबाव रहता था कि पैसे कहां से देवें माल रिजेक्ट हो गया है। क्षेत्र में ठेकेदारों द्वारा महिलाओं के आर्थिक शोषण के साथ–साथ शारीरिक व मानसिक शोषण भी किया गया। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण क्षेत्र की महिलाओं की शैक्षणिक स्थिति और भी नाजुक है। इस स्थिति में महिलाओं में संगठन भावना भी नहीं है जो संगठित होकर ठेकेदारों का सामना कर सकें। महिलाओं को कसीदाकारी की पारम्परिक जानकारी तो है लेकिन वर्तमान में बाजार की व्यवस्था व आवश्यकता आधारित जानकारी नहीं है। तथा डिजाइन स्वयं तैयार नहीं कर सकती है। ग्रामीण प्रवेश व रूढ़िवादिता के चलते पाक–विस्थापित महिला घर से बाहर नहीं निकलती थी। ठेकेदारों द्वारा कार्य करवाने से क्षेत्र की महिलाओं को बाजार व्यवस्था से कोसो दूर रखा गया है।

◊ **कुल आर्टीजन** : **2000**

◊ कुल स्वीकृत राशि : 3 करोड़ 7 लाख 28 हजार

◊ 2008–09 के लिए स्वीकृत राशि : 26.68 लाख

◊ 2009–2010 के लिए_स्वीकृत राशि : 26.08 लाख

मोटीवेशन सेमीनारः

कसीदा कलस्टर कार्यक्रम के तहत कार्यक्षेत्र के प्रत्येक गॉव में पूर्व योजना के आधार पर मोटीवेशन सेमीनार का आयोजन किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य था कि क्षेत्र में निवास कर रही महिला खासकर पाक विस्थापित महिलाओं को पारम्परिक व्यवस्था व ठेकेदारों के जाल से मुक्त करके उनको मोटीवेट व प्रेरित करना। जिससे कसीदा कलस्टर कार्यक्रम में सक्रिय रूप से जुड़े। सेमीनार से पूर्व संस्थान की टीम द्वारा गॉव स्तर पर गांव के मुख्यिा पुरूष व महिलाओं के साथ बैठक की गई। बैठक में उसी गॉव के जनप्रतिनिधि को शामिल किया गया। बैठक के दौरान सेमीनार के लिए स्थान का चयन तथा महिलाओं की भागीदारी अधिक सुनिश्चत हो तथा व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदारियां दी गई। मोटीवेशन सेमीनार के दौरान गॉव में जीप द्वारा माईक से सूचना की गई। तथा उसी गांव के जनप्रतिनिधि, गांव के गणमान्य व्यक्ति व महिलाओं को स्टेज पर बैठाया गया। सर्वप्रथम संस्था के कार्यकर्ता व जिला उद्योग केन्द्र, बीकानेर से आये प्रतिनिधि द्वारा कसीदा कलस्टर का परिचय, कार्यक्रम के उद्देश्य, अवधारणा तथा कार्यक्रम के तहत की जानेवाली गतिविधियों के बारे में बताया जाता। सेमीनार में आई महिलाओं के लिए अल्प आहार की व्यवस्था भी की जाती है। वित्तिय वर्ष 2008–2009 में 50 मोटीवेशन सेमीनार आयोजित किये गये जिन स्थानों पर मोटीवेशन सेमीनार आयोजित किये गये उनका विवरण निम्न प्रकार हैः–

माह अप्रेल,08 से मार्च,09 तक की सूची				
मोटीवेशन सेमीनार				
क्र.स.	माह	**शिविर दिनांक**	**शिविर स्थल**	**संख्या**
1	अप्रेल	8\4\2008	पूगल, मोटीवेशन सेमीनार	1

2	अप्रेल	10ई4ई2008	14एडी, मोटीवेशन सेमीनार	1
3	अप्रेल	13ई4ई2008	7 एडी, मोटीवेशन सेमीनार	1
4	अप्रेल	13ई4ई2008	2 एडी, मोटीवेशन सेमीनार	1
5	अप्रेल	13ई4ई2008	8 एडी, मोटीवेशन सेमीनार	1
6	अप्रेल	14ई4ई2008	भाण्डेवाली,मोटीवेशन सेमीनार	1
7	अप्रेल	14ई4ई2008	गंगाजली,मोटीवेशन सेमीनार	1
8	अप्रेल	14ई4ई2008	खीरसर,मोटीवेशन सेमीनार	1
9	अप्रेल	15ई4ई2008	मैकरी,मोटीवेशन सेमीनार	1
10	अप्रेल	15ई4ई2008	आडूरी,मोटीवेशन सेमीनार	1
11	अप्रेल	15ई4ई2008	गणेशवाली,मोटीवेशन सेमीनार	1
12	अप्रेल	20ई4ई2008	2 डीओ,मोटीवेशन सेमीनार	1
13	अप्रेल	20ई4ई2008	डेलीतलाई,मोटीवेशन सेमीनार	1
14	अप्रेल	21ई4ई2008	कुम्हारवाला,मोटीवेशन सेमीनार	1
15	अप्रेल	21ई4ई2008	4केडब्ल्यूएम,मोटीवेशन सेमीनार	1
16	जुलाई	20ई7ई2008	2 केडब्ल्यूएम,मोटीवेशन	1
17	जुलाई	22ई7ई2008	3 केडब्ल्यूएम,मोटीवेशन	1
18	जुलाई	26ई7ई2008	3 आर.एम.डी,मोटीवेशन शिविर	1
19	जुलाई	31ई7ई2008	4 आर.एम.डी,मोटीवेशन शिविर	1
20	जुलाई	31ई7ई2008	शिवनगर, मोटीवेशन शिविर	1
21	अक्टू.	10ई10ई2008	1 बीडी मोटीवेशन सेमीनार	1
22	अक्टू.	10ई10ई2008	2 बीडी मोटीवेशन सेमीनार	1
23	अक्टू.	12ई10ई2008	7 बीडी मोटीवेशन सेमीनार	1
24	अक्टू.	12ई10ई2008	6 बीडी मोटीवेशन सेमीनार	1
25	अक्टू.	15ई10ई2008	3 केएम मोटीवेशन सेमीनार	1
26	अक्टू.	15ई10ई2008	2 केएम मोटीवेशन सेमीनार	1
27	अक्टू.	18ई10ई2008	6 बीएम मोटीवेशन सेमीनार	1
28	अक्टू.	18ई10ई2008	4 बीएम मोटीवेशन सेमीनार	1
29	अक्टू.	20ई10ई2008	3 आर.एम. मोटीवेशन सेमीनार	1
30	अक्टू.	20ई10ई2208	2 आर.एम. मोटीवेशन सेमीनार	1
31	अक्टू.	22ई10ई2008	आशापुरा मोटीवेशन सेमीनार	1
32	अक्टू.	22ई10ई2008	सरदारपुरा मोटीवेशन सेमीनार	1
33	जन,09	17ई1ई2009	14 एडी	1
34	जन,09	18ई1ई2009	गणेशवाली,मुस्लिम बास	1
35	जन,09	19ई1ई2009	इन्द्रपुरा आथूणा बास	1
36	जन,09	19ई1ई2009	इन्द्रपुरा आगूणा बास	1
37	जन,09	20ई1ई2009	रावत आबादी राजपूत मौहल्ला	1
38	जन,09	20ई1ई209	रावत आबादी मुस्लिम मौहल्ला	1

39	जन,09	21ध1ध2009	1 आर.एम	1
40	जन,09	21ध1ध2009	सुखदेवपुरा	1
41	जन,09	22ध1ध2009	कटक आबादी	1
42	जन,09	22ध1ध2009	5 बीएम	1
43	जन,09	23ध1ध2009	आशापुरा	1
44	मार्च,09	6ध3ध2009	2 एडी आगुणा	1
45	मार्च,09	7ध3ध2009	आडूरी आथूणा	1
46	मार्च,09	8ध3ध2009	गोगलीवाला	1
47	मार्च,09	9ध3ध2009	मुंगरवाला	1
48	मार्च,09	10ध3ध2009	1 डीओ	1
49	मार्च,09	11ध3ध2009	रामड़ा	1
50	मार्च,09	12ध3ध2009	गणेशवाली	1
			योग	**50**

मोटीवेशन सेमीनार

कसिदा कलस्टर पूगल आइडीबीकानेर
स्थान:

कसिदा कलस्टर, पूगल आइडीबीकानेर
मोटिवेशन सेमीनार
स्थान:

फॉलोअप सेमीनारः

कार्यक्रम के तहत फॉलोअप सेमीनार का आयोजन किया गया। यह आयोजन जहां पर मोटीवेशन सेमीनार किये गये वहां के प्रत्येक गांव में फॉलोअप सेमीनार का आयोजन किया गया। फॉलोअप सेमीनार के पिछे सोच यह थी कि कसीदा कलस्टर कार्यक्रम की पुख्ता समझ का आंकलन करते हुए महिलाओं के साथ संवाद स्थापित तथा सतत प्रक्रिया जारी रहे। तथा महिलाओं को राज्य, राष्ट्रीय स्तर पर कसीदा कार्य की समझ विकसित की गई। इस गतिविधि को अधिक प्रभावी बनाने तथा महिलाओं की पूर्ण भागीदारी के लिए जीप से माईक द्वारा सूचना की गई। कार्यक्रम केक दौरान उसी गॉव के महिला सदस्यों की अध्यक्षता सौंपी जाती थी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों के हस्ताक्षर व लिखित कार्यवाही की जाती है। वित्तिय वर्ष 2008–2009 में 50 फॉलोअप सेमीनार आयोजित किये गये जिन स्थानों पर फॉलोअप सेमीनार आयोजित किये गये उनका विवरण निम्न प्रकार है

माह अप्रेल,08 से मार्च,09 तक की सूची				
फॉलोअप सेमीनार				
क्र.स.	माह	शिविर दिनांक	शिविर स्थल	संख्या
1	मई	3ध्5ध्2008	14एडी, फॉलोअप सेमीनार	1
2	मई	4ध्5ध्2008	7एडी, फॉलोअप सेमीनार	1
3	मई	4ध्5ध्2008	8एडी, फॉलोअप सेमीनार	1
4	मई	4ध्5ध्2008	2एडी, फॉलोअप सेमीनार	1
5	मई	6ध्5ध्2008	खीरसर, फॉलोअप सेमीनार	1
6	मई	6ध्5ध्2008	भाण्डेवाली, फॉलोअप सेमीनार	1
7	मई	6ध्5ध्2008	गंगाजली, फॉलोअप सेमीनार	1
8	मई	8ध्5ध्2008	पूगल, फॉलोअप सेमीनार	1
9	मई	9ध्5ध्2008	मैकेरी, फॉलोअप सेमीनार	1
10	मई	9ध्5ध्2008	गणेशवाली, फॉलोअप सेमीनार	1
11	मई	9ध्5ध्2008	आडूरी, फॉलोअप सेमीनार	1
12	मई	11ध्5ध्2008	डेलीतलाई, फॉलोअप सेमीनार	1
13	मई	11ध्5ध्2008	2डीओ, फॉलोअप सेमीनार	1
14	मई	13ध्5ध्2008	कुम्हारवाला,फॉलोअप सेमीनार	1
15	मई	13ध्5ध्2008	4केडबल्यूएम,फॉलोअप सेमीनार	1
16	नव.	12ध्11ध्2008	1 बीडी, फॉलोअप सेमीनार	1
17	नव.	12ध्11ध्2008	2 बीडी फॉलोअप सेमीनार	1
18	नव.	15ध्11ध्2008	6 बीडी, फॉलोअप सेमीनार	1
19	नव.	15ध्11ध्2008	7 बीडी, फॉलोअप सेमीनार	1
20	नव.	17ध्11ध्2008	2 केएम, फॉलोअप सेमीनार	1
21	नव.	17ध्11ध्2008	3 केएम, फॉलोअप सेमीनार	1
22	नव.	20ध्11ध्2008	6 बीएम, फॉलोअप सेमीनार	1
23	नव.	20ध्11ध्2008	4 बीएम, फॉलोअप सेमीनार	1
24	नव.	21ध्11ध्2008	2 आर.एम, फॉलोअप सेमीनार	1

25	नव.	21ई11ई2008	3 आर.एम, फॉलोअप सेमीनार	1
26	नव.	23ई11ई2008	आशापुरा, फॉलोअप सेमीनार	1
27	नव.	23ई11ई2008	सरदारपुरा, फॉलोअप सेमीनार	1
28.	दिस.	2ई12ई2008	3 केडब्ल्यूएम,फॉलोअप सेमीनार	1
29	दिस.	2ई12ई2008	2 केडब्ल्यूएम,फॉलोअप सेमीनार	1
30	दिस.	3ई12ई2008	3 आर.एम.डी.फॉलोअप,सेमीनार	1
31	दिस.	3ई12ई200	4 आर.एम.डी.फॉलोअप, सेमीनार	1
32.	दिस.	7ई12ई2008	शिवनगर, फॉलोअप, सेमीनार	1
33	दिस.	7ई12ई2008	गणेशवाली, फॉलोअप सेमीनार	1
34	जन,09	24ई1ई2009	14 एडी	1
35	जन,09	25ई1ई2009	गणेशवाली,मुस्लिम बास	1
36	जन,09	26ई1ई2009	इन्द्रपुरा आथूणा बास	1
37	जन,09	26ई1ई2009	इन्द्रपुरा आगूणा बास	1
38	जन,09	27ई1ई2009	रावत आबादी राजपूत मौहल्ला	1
39	जन,09	27ई1ई2009	रावत आबादी मुस्लिम मौहल्ला	1
40	जन,09	28ई1ई2009	1 आर.एम	1
41	जन,09	28ई1ई2009	सुखदेवपुरा	1
42	जन,09	29ई1ई2009	कटक आबादी	1
43	जन,09	29ई1ई2009	5 बीएम	1
44	जन,09	30ई1ई2009	आशापुरा	1
45	मार्च,09	6ई3ई2009	2 एडी आगुणा	1
46	मार्च,09	7ई3ई2009	आडूरी आथूणा	1
47	मार्च,09	8ई3ई2009	गोगलीवाला	1
48	मार्च,09	9ई3ई2009	मुंगरवाला	1
49	मार्च,09	10ई3ई2009	1 डीओ	1
50	मार्च,09	11ई3ई2009	रामड़ा	1
			योग	**50**

फॉलाअप शिविर

स्थानः पूगल
दिनांकः 10-4-2008 से 09-5-2008 तक
आयोजकः शान्ति मैत्री मिशन संस्थान, पूगल
प्रायोजकः उद्योग विभाग, राजस्थान, जयपुर

फोलोअप सेमीनार
2-A-D
दिनांक: 4-5-2008
मैत्री मिशन संस्थान, पूगल

कसिदा कलस्टर पूगल-आडूरी, बीकानेर
फोलोअप सेमीनार
स्थान: 8-A-D दिनांक: 4-5-2008
शान्ति मैत्री मिशन संस्थान, पूगल

कसिदा कलस्टर पूगल-आडूरी, बीकानेर
फोलोअप सेमीनार
स्थान: कुम्हारवाला दिनांक: 13-5-08
शान्ति मैत्री मिशन संस्थान, पूगल
राजस्थान, जयपुर

30 दिवसीय स्किल डवलपमेंट ट्रेनिंग
कलस्टर, पूगल, आडूरी, बीकानेर
7 ए.डी.गाँव दि. 25 मई से 23 जून, 2008
शान्ति मैत्री मिशन संस्थान, पूगल
उद्योग विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर

संगठन निर्माण:

कार्यक्रम के अन्तर्गत मोटीवेशन सेमीनार व फॉलोअप सेमीनार क पश्चात उन्हीं गॉवों की महिलाओं के साथ संगठन निर्माण का कार्य किया गया। क्षेत्र में आम तौर पर देखा गया कि कसीदाकारी क्षेत्र में महिलाओं को अनेक प्रकार की समस्याएं आती रहती है। संगठन के अभाव में क्षेत्र की महिलाओं के साथ अनेक प्रकार का शोषण किया गया। संगठन निर्माण के पीछे सोच यह थी कि महिला संगठन के माध्यम से कार्य करने से कार्य की गति अधिक व जानकारियों का आदान–प्रदान तथा महिलाओं का मान–सम्मान बढ़ता है। यही संगठन भविष्य में क्षेत्र, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर फेडरेशन का रूप लेकर कार्य करेगें जिससे महिलाओं की आजीविका और अधिक सुदृढ़ होगी। वर्तमान में महिला संगठनों के साथ नियमित बैठकों का आयोजन व बैठक कार्यवाही का रजिस्टर में इन्द्राज किया जा रहा है। वित्तिय वर्ष 2008–2009 में 50 समूह गठन निर्माण किये गये जिन स्थानों पर समूह गठन निर्माण किये गये उनका विवरण निम्न प्रकार है

माह अप्रेल,08 से मार्च,09 तक की सूची				
समूह गठन निर्माण				
क्र.स.	माह	शिविर दिनांक	शिविर स्थल	संख्या
1	जून	19ध6ध08	भाण्डेवाली	1
2	जून	21ध6ध08	मैकेरी	1
3	जून	21ध6ध08	पूगल	1
4	जून	21ध6ध08	आडूरी	1
5	जून	19ध6ध08	गंगाजली	1
6	जून	19ध6ध08	खीरसर	1
7	जून	18ध6ध08	2 एडी	1
8	जून	22ध6ध08	2 डीओ	1
9	जून	17ध6ध08	7 एडी	1
10	जून	17ध6ध08	8 एडी	1
11	जून	22ध6ध08	डेली तलाई	1
12	जून	24ध6ध08	कुम्हारवाला	1
13	जून	24ध6ध08	4 केडब्ल्यूएम	1
14	जून	16ध6ध08	पूगल	1
15	जून	16ध6ध08	14 एडी	1
16	दिस.	12ध12ध08	1 बीडी	1
17	दिस.	12ध12ध2008	2 बीडी	1
18	दिस.	15ध12ध2008	6 बीडी	1
19	दिस.	15ध12ध2008	7 बीडी	1
20	दिस.	17ध12ध2008	2 केएम	1
21	दिस.	17ध12ध2008	3 केएम	1

22	दिस.	20ई12ई2008	4 बीएम	1
23	दिस.	20ई12ई2008	6 बीएम	1
24	दिस.	21ई12ई2008	2 आरएम	1
25	दिस.	23ई12ई2008	सरदारपुरा	1
26	दिस.	23ई12ई2008	आशापुरा	1
27	फर.09	17ई2ई09	14 एडी–गुड्डी समूह	1
28	फर.09	18ई2ई09	14एडी–पदमा समूह	1
29	फर.09	19ई2ई09	14 एडी– पुष्पा समूह	1
30	फर.09	16ई2ई09	गणेशवाली–शायदा समूह	1
31	फर.09	19ई2ई09ई	गणेशवाली–जनेब समूह	1
32	फर.09	19ई2ई09	हिन्दुपुरा– गीता समूह	1
33	फर.09	18ई2ई09	हिन्दुपुरा– गुलाब समूह	1
34	फर.09	20ई2ई09	हिन्दुपुरा– राज कशीदा समूह	1
35	फर.09	20ई2ई09	रावत आबादी–राजपूत रूप समूह	1
36	फर.09	28ई2ई09	रावत आबादी– राजपूत वंसुधरा समूह	1
37	फर.09	26ई2ई09	रावत आबादी–हाजरा समूह	1
38	फर.09	21ई2ई09	1 आरएम–राजकशीदाकारी समूह	1
39	फर.09	21ई2ई09	सुखदेवपुरा– कौरू समूह	1
40	फर.09	27ई2ई09	सुखदेवपुरा– कैश कसीदा समूह	1
41	फर.09	26ई2ई09	1 आरएम– काजल समूह	1
42	फर.09	26ई2ई09	सुखदेवपुरा–रूपा कसीदा समूह	1
43	फर.09	22ई2ई09	5बीएम–दुर्गा कसीदा समूह	1
44	फर.09	27ई2ई09	5बीएम–चन्द्र कसीदा समूह	1
45	फर.09	28ई2ई09	5बीएम–गंगा कशीदाकारी समूह	1
46	फर.09	23ई2ई09	आशापुरा–2 तार समूह	1
47	फर.09	28ई2ई09	आशापुरा–2 मदन समूह	1
48	फर.09	22ई2ई09	आशापुरा–2 प्रकाश समूह	1
49	फर.09	16ई2ई09	गणेशवाली–नजीरा समूह	1
50	फर.09	26ई2ई09	1 आरएम रेशमा समूह	1
			योग	50

कलस्टर विकास समूह गठन

कलस्टर विकास समूह गंठन
कसीदाकारी कलस्टर. पूगल. आडूरी
"अशोक श्री"
स्थान :- 4KWM / दिनांक :- 24-6-08
शान्ति मै
शिन संस्था
उद्योग विभा
न सरक

स्किल डवलपमेंट प्रशिक्षणः

कसीदा कलस्टर कार्यक्रम के तहत 30 दिवसीय स्किल डवलपमेंट प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण से पूर्व कार्यक्षेत्र की महिलाओं को 3–5 प्रकार के कसीदे की पारम्परिक जानकारी थी। जो वर्तमान बाजार में स्वीकार्य नहीं थी। कार्यक्रम के तहत रखे गये संदर्भ व्यक्तियों द्वारा प्रशिक्षण पूर्व वर्तमान बाजार व्यवस्था, आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 30 दिवसीय मॉडयूल का निर्माण किया गया। यह मॉडयूल प्रत्येक दिन क्या, कब, कैसे सिखाये पर आधारित था। 30 दिवसीय स्किल डवलपमेंट प्रशिक्षण में 30 महिलाओं के बैच को नियमित अलग–अलग प्रकार से टांके सिखाये जाते थे। जिससे प्रशिक्षण में भाग लेने वाली महिलाओं ने 27 प्रकार की कसीदे की पूर्ण जानकारी हुई। प्रशिक्षण के दौरान 27 प्रकार के कसीदाकारी कार्य महिलाओं द्वारा करवाया गया।

संदर्भ व्यक्तियों द्वारा प्रशिक्षण को रोचक व अधिक प्रभावी बनाने के लिए कार्डसीट, बोर्ड व ग्रुप बनाकर कार्य सिखाया गया। प्रशिक्षण के प्रथम दिन बैनर क नीचे जिला उद्योग केन्द्र व गांव के गणमान्य लोगों द्वारा उद्‌घाटन करवाया जाता है। वित्तिय वर्ष 2008–2009 में 20 स्किल डवलपमेंट प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये गये जिन स्थानों पर स्किल डवलपमेंट प्रशिक्षण आयोजित किये गये उनका विवरण निम्न प्रकार हैः–

माह अप्रेल,08 से मार्च,09 तक की सूची				
स्किल डवलपमेंट प्रशिक्षण (कौशल प्रशिक्षण)				
क्र.स.	माह	शिविर दिनांक	शिविर स्थल	संख्या
1	अप्रेल–मई	10/4/08 जव 9/5/08	पूगल जाटान का बास	1
2	मई–जून	3/05/08 जव 3/6/08	पूगल	1
3	मई–जून	25/5/08 जव 23/6/08	7 एडी, पूगल	1
4	जुलाई	1/7/08 जव 31/7/08	8 एडी	1
5	जुलाई	1/7/08 जव 31/7/08	14 एडी	1
6	अगस्त	2/8/08 जव 31/8/08	कुम्हारवाला	1
7	अगस्त	2/8/08 जव 31/8/08	4 केडब्ल्यू.एम	1
8	सित–अक्टू	12/9/08 जव 11/10/08	आडूरी	1
9	सित–अक्टू	12/9/08 जव 11/10/08	खीरसर	1
10	सित–अक्टू	12/9/08 जव 11/10/08	2 एडी	1
11	सित–अक्टू	12/9/08 जव 11/10/08	भाण्डेवाली	1
12	अक्टू–नव	15/10/08 जव 15/11/08	1 बीडी	1
13	अक्टू–नव	15/10/08 जव 15/11/08	2 डीओ	1
14	अक्टू–नव	15/10/08 जव 15/11/08	शिवनगर	1

15	अक्टू–नव	15ध10ध08 जव 15ध11ध08	डेलीतलाई	1
16	दिस.–जन. 09	9ध12ध08 जव 7ध01ध09	1 आर.एम.डी	1
17	दिस.–जन. 09	9ध12ध08 जव 7ध01ध09	2 आर.एम.डी	1
18	दिस.–जन. 09	9ध12ध08 जव 7ध01ध09	गणेशवाली	1
19	दिस.–जन. 09	9ध12ध08 जव 7ध01ध09	3 आर.एम.डी	1
20	जनवरी,09	1ध01ध08 जव 31ध1ध09	14 एडी	1
			योग	**20**

वित्तीय वर्ष 2009–2010 में स्किल डवलपमेंट प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये गये उनका विवरण निम्न प्रकार है।

माह अप्रेल,09 से नवम्बर,09 तक				
स्किल डवलपमेंट प्रशिक्षण (कौशल प्रशिक्षण)				
क्र.स.	**माह**	**शिविर दिनांक**	**शिविर स्थल**	**संख्या**
1	मई–जून,09	**23.5.09 से 23.6.09**	आडूरी आथूणा बास	1
2.	मई–जून,09	**23.5.09 से 23.6.09**	2 एडी द्वितीय	1
3.	नव. –दिस,09	**5.11.2009–4.12.09**	कटक आबादी	1

स्किल डवलपमेंट कार्यक्रमः

30 दिवसीय स्किलडवलपमेंट ट्रेनिंग
कसीदा कलस्टर, पूगल, आडूरी, बीकानेर
स्थान: 7 ए.डी. गाँव
दि. 25 मई से 23 जून, 2008
आयोजक: शान्ति मैत्री
संस्थान, पूगल
प्रायोजक: उद्योग विभाग
जयपुर

डिजाइन प्रशिक्षणः

कसीदा कलस्टर कार्यक्रम के तहत डिजाईन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण 30 दिवसीय गांव स्तर पर आयोजित किये गये। कार्यक्षेत्र की महिलाओं को प्रशिक्षण से पूर्व कसीदाकारी डिजाइन के बारे में शुन्य जानकारी थी। महिलाओं को 27 प्रकार के कसीदा की तो जानकारी थी परन्तु डिजाइन का ले आऊट देकर ही कार्य करवाया जाता था। प्रशिक्षण से पूर्व क्षेत्र की महिलाओं की स्थिति, स्तर तथा बाजार की आवश्यकताओं के आधार पर अनेक प्रकार की डिजाईन महिला स्वयं बनाये के लिए प्रशिक्षण दिया गया।

इस प्रशिक्षण में महिलाओं की हाथ की सफाई, डिजाइन छापना, ट्रेश तैयार करना, आईटम के आधारित डिजाईन तैयार करना, अनेक प्रकार की कटिंग करना, डिजाईन का पेटेंट बदलना तथा पारम्परिक डिजाईन को अधिक आकर्षित बनाना आदि प्रशिक्षण के दौरान सिखाया गया। वित्तीय वर्ष 2008–2009 में 2 डिजाईन डवलपमेंट प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार हैः–

माह अप्रेल,08 से मार्च,09 तक				
डिजाइन डवलपमेंट प्रशिक्षण (कौशल प्रशिक्षण)				
क्र.स.	**माह**	**शिविर दिनांक**	**शिविर स्थल**	**संख्या**
1	फरवरी–मार्च09	**01.02.09–2.3.09**	7 एडी	1
2.	फरवरी–मार्च09	**01.02.09–2.3.09**	8 एडी	1
3.	नव.–दिस.09	**5.11.09–4.12.09**	कटक आबादी	1

माह अप्रेल,09 से नवम्बर,09 तक				
डिजाइन डवलपमेंट प्रशिक्षण (कौशल प्रशिक्षण)				
क्र.स.	**माह**	**शिविर दिनांक**	**शिविर स्थल**	**संख्या**
1	सित.–अक्टू. 09	**17.9.09–16.10.09**	2 एडी	1
2.	सित.–अक्टू. 09	**17.9.09–16.10.09**	3 आर.एम	1
3.	नव.–दिस.09	**5.11.09–4.12.09**	खीरसर एवं 4केडब्ल्यूएम	2

संदर्भ व्यक्तियों द्वारा प्रशिक्षण को अधिक से अधिक रोचक बनाने के लिए अनेक पद्धतियां काम में ली गई। प्रशिक्षण के दौरान लगातार 30 दिन तक अल्पाहार की व्यवस्था प्रशिक्षण स्थल पर ही की गई।

परिणामः

- ❖ संगठित होकर कार्य करने की भावना पैदा हुई।
- ❖ ठेकेदारों के बन्धन से महिलाओं को मुक्ति।
- ❖ आय में वृद्धि
- ❖ घर,गांव में महिलाओं का मान–सम्मान।
- ❖ कार्य से जुड़ी महिलाओं में स्किल डवलपमेंट।
- ❖ 27 प्रकार के कसीदे की जानकारी।
- ❖ जिला व राज्य स्तर पर बाजार का अनुभव।
- ❖ कसीदाकारी के क्षेत्र में हल–चल पैदा हुई।
- ❖ महिलाओं में स्वयं निर्णय लेने की क्षमता विकसित हुई।
- ❖ समूहों को आर्डर मिलने की प्रक्रिया जारी।

वर्ष 2008–2009 अप्रेल,08से मार्च,09में सम्पन गतिविधियां व लाभान्वितों का विवरणः

क्र.स.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभान्वित महिलाओं की संख्या
1.	मोटीवेशन सेमीनार	50	1500
2.	फॉलोअप सेमीनार	50	1500
3.	संगठन निर्माण	50	560
4.	स्किल डवलपमेंट प्रशिक्षण	20	600
5.	डिजाईन डवलपमेंट प्रशिक्षण	2	60

वर्ष 2009–2010 अप्रेल,09से नवम्बर,09में सम्पन गतिविधियां व लाभान्वितों का विवरणः

क्र.स.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभान्वित महिलाओं की संख्या
1.	मोटीवेशन सेमीनार	0	0
2.	फॉलोअप सेमीनार	0	0
3.	संगठन निर्माण	0	0
4.	स्किल डवलपमेंट प्रशिक्षण	3	180
5.	डिजाईन डवलपमेंट प्रशिक्षण	4	240

केस–स्टेडी

नामः **जामू बाई**
आयुः **45 वर्ष**
गॉवः **7 एडी**
ग्राम पंचायतः **पूगल**

जामू बाई पाक–स्थापित परिवार में निवास करती है। 1971 में भारत–पाक युद्ध के दौरान उनका परिवार भारत आया। 9 वर्ष तक भारत सरकार ने पाक–विस्थापित परिवारों को पाक भारत बॉर्डर पर कैम्पों में रखा गया। 1985 में उनका परिवार पूगल क्षेत्र में आया और 7 एडी गांव में अपना घर बनाया। जामू बाई की शादी 11 वर्ष की आयु में सादुलराम से हुई। कम आयु में शादी करने के कारण जामूबाई के कन्धों पर अधिक कार्य का वजन आ गया। उनके 3 लड़के व 2 लड़किया है। शुरू से ही उन्होनें अनेक प्रकार की कठिनाईयां, दुखों का सामना किया है आज से 15 वर्ष पूर्व उनके पति का देहान्त हो गया। उनके पति के दमा व गठिया रोग कि शिखार थेा। आय का कोई साधन नहीं था। भूमिहीन जामूबाई ने ममजदूरी करके अपने पति का इलाज करवाया लेकिन आखिर कार उनके पति ने उनका साथ छोड़ दिया। छोटे–छोटे बच्चों के साथ जामू बाई अकेली रह गई। दिन रात मजदूरी करके बच्चों का लालन पोषण करती रहती थी।

उन्होनें बताया कि कई बार में और मेरे बच्चें रात को भूखे सोये है। क्योंकि मजदूरी प्राप्त नहीं होती थी। मजदूरी के नाम पर यहां पर बाड़मेर, जैसलमेर से ठेकेदारों द्वारा कसीदा का कार्य हाथ में लिया। कसीदा के कार्य से आय पर्याप्त नहीं थी। समय पर ठेकेदार माल ले जाते परन्तु भुगतान नहीं करते थे। ऊपर से यह दबाब रहता था कि हाथ की सफाई नहीं यह कहकर मजदूरी के पैसों में कटौति कर लेते थे। उन्होंने बताया कि पूगल क्षेत्र में उद्योग विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा शान्ति मैत्री मिशन संस्थान के माध्यम से पिछले वर्ष कसीदाकारी का कार्य शुरू किया गया। उन्होंने मोटीवेशन सेमीनार, फॉलोअप सेमीनार में भी भाग लिया। जब 7 एडी में स्किल डवलपमेंट प्रशिक्षण शुरू हुआ तब 30 दिन तक लगातार प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण से पूर्व उनको पांच प्रकार के कसीदे आते थे परन्तु स्किल डवलपमेंट प्रशिक्षण में उन्हें 27 प्रकार की कसीदाकारी सीखी। जो वर्तमान में मार्केट में चल रही है। पहले

प्रतिमाह 500–700 रूपये का कसीदा करती थी परन्तु वर्तमान में हम 2000–2500 रू प्रतिमाह कमाते है।

उन्होंने बताया कि उन्हें कलस्टर कार्यक्रम के तहत आमेर, जयपुर विकास प्रदर्शनी में भाग लिया था। अब उन्हें बाजार की बेहतर समझ बनी है।

केस स्टडी

नामः **गुड्डी**
आयुः **19 वर्ष**
गॉवः **8 एडी**
ग्राम पंचायतः **पूगल**

पाक–विस्थापित परिनवार में जन्मी गुड्डी की आयु 19 वर्ष है। उन्होनें कक्षा 5 तक पढ़ाई की है। गांव 8 ए.डी में प्राथमिक विद्यालय होने के कारण वे आगे अपनी शिक्षा जारी नहीं रख पाई। उनके पिता श्री मन्नुराम ने आगे पढ़ाई जारी रखने के लिए हां भी की लेकिन गांव से स्कूल 11 कि.मी दूर होने के कारण उनकी माता जी ने इसके लिए हॉ नहीं भरी। गुड्डी बाई 6 भाई बहनों में सबसे छोटी है। अभी तक गुड्डी की शादी भी नहीं की है। उन्होंने स्कूल छोड़ते ही कसीदा का कार्य शुरू कर दिया। शुरू में बाड़मेर से आये ठेकेदार माल ले जाते तथा भुगतान माल बिकने के पश्चात् करने के लिए कहते थे। कई बार हमें पूरा भुगतान नहीं देते थे।

ठेकेदारों का कहना था कि माल रिजेक्ट हो गया है। उन्होंने बताया कि ठेकेदारों द्वारा कार्य करवाने से हमें प्रतिमाह 400–500 रू की आय होती थी। गुड्डी से सवाल किया गया। कि ठेकेदारों से क्या फायदा था। उन्होंने कहा कि ठेकेदार माल की क्वालिटीमाल की जानकारी नही है। ठेकेदारो के पास कसीदाकारी का अनुभव नही है। वैसे कोई फायदा नही था।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष आयुक्तालय उद्योग विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर द्वारा शान्ति मैत्री मिशन संस्थान के माध्यम से कसीदा कलस्टर कार्यक्रम के तहत उन्होंने 30 दिवसीय स्किल डवलपमेंट प्रशिक्षण में भाग लिया। भाग लेने से पूर्व उन्हे 5–7 प्रकार का कसीदा ही आता था। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनरों द्वारा बताया गया कि वर्तमान में बाजार की आवश्यकता नई–नई कसीदा को लेकर है। इस को ध्यान में रखते हुए 27 प्रकार के कसादा कार्य को सीखा है।

उन्होनें कहा कि मैंने अनेक प्रकार का कसीदा तो सीख लिया है। परन्तु मेरे मन में जिज्ञासा थी कि मैं स्वयं डिजाइन भी सीखूं। संस्थान द्वारा उसी दौरान 30 दिवसीय डिजाईन प्रशिक्षण गॉव में ही रखा गया। डिजाईन प्रशिक्षण में सेटिंग करना, हाथ की सफाई, ट्रेसर तैयार करना व अनेक प्रकार की कटिंग करना व डिजाइन छापना तथा स्वयं द्वारा नई डिजाईन तैयार करना आदि मैंने प्रशिक्षण में ही सीखा है। मैं स्वयं प्रशिक्षणों के उपरान्त में प्रति माह 2500–3000 रूपये प्रति माह कमाती हूॅ। मैं आधे पैसे घर में देती हूॅ। मेरे पैसों से घर में हरी सब्जी खरीदते है। सब्जी पूरा परिवार खाता है। प्रति माह 1500 रूपये बचत करती हूॅ जो भविष्य में शादी के बाद काम आयेगें। उनमें आत्म विश्वास है।